# सिंचाई एवं पेयजल के लिये अनुपयोगी साबित हो रहा राजधानी का दूसरा सबसे बड़ा बांध

## सिंचाई के लिए बनी नहरों में पानी न छोड़े जाने से नहरों के आसपास गांवों में सिंचाई लुप्त होने के कगार पर है

**बस्सी,** (निसं)। राजधानी जयपुर के निकट रामगढ़ बांध के बाद दूसरे सबसे बड़े कानोता बांध को जिस उद्देश्य के लिए बनाया गया था आज वह उद्देश्य पूरी तरह मर चुका है।

वर्ष 2000 में 17 फीट गहराई, 2.59 किलोमीटर लंबाई, 402 वर्गमीटर कैचमेंट एरिया में 14.15 एमसीएम भराव क्षमता वाले कानोता बांध का निर्माण आसपास के क्षेत्र में पीने के पानी एवं सिंचाई की आपूर्ति के लिए करवाया गया था लेकिन आज कानोता बांध में भराव क्षमता के मुताबिक पानी तो भरा है लेकिन वह बांध और उसमें भरा पानी जनता के किसी काम नहीं आ रहा सिवाय मछलीपालन एवं मूर्ति विसर्जन के।

इस बांध में पानी की आवक से आसपास का जलस्तर ऊंचा जरूर हुआ है, लेकिन सिंचाई के लिए बनी नहरों में पानी न छोड़े जाने से नहरों के आसपास गांवों में सिंचाई लुप्त होने के कगार पर है। बांध निर्माण के शुरुवाती दिनों में तो इसका उपयोग सिंचाई एवं पीने के पानी के रूप में किया गया लेकिन वर्तमान में यह बांध सिंचाई एवं पीने के पानी के लिए अनुपयोगी साबित हो रहा है। इतना ही नहीं अब तो इस बांध में भरने वाला पानी पशु-पक्षियों एवं मछलियों के लिए मौत का कारण भी बन रहा है। इसका कारण इस बांध में जयपुर शहर के साथ ही जलमहल से आने वाला गंदा एवं कैमिकल युक्त पानी है। इस गंदे एवं कैमिकल युक्त पानी से हर साल हजारों की संख्या में मछलियों के साथ पशु-पक्षियों की भी मौत हो जाती है। जिस उद्देश्य के लिए कानोता बांध का निर्माण करवाया गया था, यदि उस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस बांध का एवं इसमें भरने वाले पानी का उपयोग किया जाए तो इस बांध को भी नया जीवन मिल सकता है।

कानोता बांध को जिस उद्देश्य के लिए बनाया गया था आज वह उद्देश्य पूरी तरह मर चुका है।

- **कानोता बांध के पानी को ढूंढ नदी में छोड़ दिया जाए तो मिल सकता है नया जीवनः बस्सी विधायक लक्ष्मण मीना**
- **17 फीट गहराई, 2.59 किमी. लंबाई, 402 वर्गमीटर कैचमेंट एरिया में 14.15 एमसीएम भराव क्षमता वाले इस बांध का निर्माण वर्ष 2000 में हुआ था**
- **जयपुर शहर के साथ ही जलमहल से आने वाले गंदे एवं कैमिकल युक्त पानी से हर साल हजारों मछलियों के साथ पशु-पक्षियों की भी मौत हो जाती है**

बस्सी विधायक लक्ष्मण मीना ने भी लोगों की मांग एवं उनके हित में इस संदर्भ में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसी तरह की मांग की थी। इस पत्र में कहा गया था कि कानोता बांध का पानी नहर के माध्यम से सिंचाई के लिए उपलब्ध करवाया जाए। इसके साथ ही विधायक ने पत्र के माध्यम से आगाह किया कि इस बांध में गंदा पानी न छोड़ा जाए और इसकी मरम्मत भी की जाए। विधायक लक्ष्मण मीना ने बताया कि कानोता बांध की टेरिटरी में दर्जनभर से भी अधिक गांव बसे हुए हैं, जिनमें एक लाख से भी अधिक जनसंख्या निवास करती है। इसमें अधिकांश लोग किसान हैं और खेती पर आश्रित हैं। इनमें सुमेल, विजयपुरा, बगराना, कानोता, रामरतनपुरा, नायला, ड्योडा चौड, कूंथाडा खुर्द, हीरावाला, गीलावाला, दयारामपुरा, रामसर पालावाला, जीतावाला, खोखावाला, रूपा की नांगल जैसे कई गांव शामिल हैं। साथ ही बताया कि यदि कानोता बांध का पानी ढूंढ नदी में छोड़ दिया जाए तो इससे इस नदी को जीवन तो मिलेगा ही, साथ ही यह पानी कानोता-बस्सी क्षेत्र के सांभरिया, बराला, अचलपुरा, सिंडोली, सांख से लेकर कोटखावदा तक की खेती के लिए सिंचाई का जरिया बन सकती है। इसके अलावा यह आसपास के सैकडों कुओं व ट्यूबवैल को भी रीचार्ज कर सकती है।

# बीकानेर में पातेय वेतन पर कई चिकित्सकों को बनाया प्रोफेसर

## सरकार के आदेशों की स्पष्ट रूप से हो रही अवहेलना

**बीकानेर,** (कासं)। पातेय वेतन पर पदोन्नति का खेल खेला जा रहा है। पातेय वेतन पर नीचे पद के कर्मचारियों को उच्च पदों पर पदस्थापन किया गया है, जो सरकार के आदेशों की स्पष्ट रूप से अवहेलना है। यह फायदा एक-दो नहीं, बल्कि कॉलेज के करीब 65 कर्मचारियों को मिल रहा है। इन्हें कार्य व्यवस्था (पातेय वेतन) के नाम पर उच्च पदों पर बैठाया हुआ है।

एसपी मेडिकल कॉलेज के एक वरिष्ठ चिकित्सक ने बताया कि नेशनल मेडिकल काउंसिल के निरीक्षण के दौरान मेडिकल छात्रों की संख्या के आधार पर चिकित्सा शिक्षा के पदों को भरना होता है। रिक्त पद होने पर मेडिकल की बढ़ने वाली सीटों के फिर से रद्द होने का खतरा रहता है। ऐसे में एकबारगी कुछ समय के लिए असिस्टेंट को एसोसिसट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर को प्रोफेसर बना देते हैं। यह कार्य व्यवस्था के तहत लगाए जाते हैं। इस तरह पदोन्नत किए कर्मचारी अपने नीचे के पद का वेतन लेकर उच्च पद पर काम करते रहते हैं। यह कार्यव्यवस्था कुछ समय के लिए अस्थायी होती है। परन्तु साल-डेढ़ साल तक ऐसे ही चलता रहता है तो यह नियमानुसार गलत है।

- **एसपी मेडिकल कॉलेज में यह फायदा एक-दो नहीं, बल्कि करीब 65 कर्मचारियों को मिल रहा है**

एसपी मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर से पातेय वेतन पर डॉ. बाबूलाल मीणा, डॉ.परवेज समेजा, डॉ. विजय तुंदवाल, रेडियोलॉजी विभाग में डॉ. रिद्धिमा गुप्ता, कैंसर से डॉ. शंकरलाल जाखड़, न्यूरोलॉजी से डॉ. इन्द्रपुरी, डॉ.जगदीश कूकणा, गेस्ट्रोलॉजी से डॉ. सुशील फलोदिया, डॉ. आशीष जोशी, डॉ. विनिता चौधरी, नेफ्रोलॉजी डॉ. जितेन्द्र फलोदिया, हार्ट में डॉ. दिनेश चौधरी, हार्ट हॉस्पिटल मेडिसिन डॉ. देवेन्द्र अग्रवाल, फोरेंसिक मेडिसिन से डॉ. पीके सैनी, डॉ. सुरेंद्र बेनीवाल, डॉ. कमलेश कुमार हर्ष, डॉ. संजीव बुरी, डॉ. अरुण भारती, डॉ. रोहितास कुलहरिया, डॉ. गौरव गुप्ता समेत कई चिकित्सक पातेय वेतन पर पदोन्नत होकर पदस्थापित हैं। फॉरेंसिक मेडिसिन से डॉ. पीके सैनी को पीबीएम अस्पताल के अधीक्षक की कमान सौंपी गई है।

राज्य सरकार के कार्मिक (क-2) विभाग के तत्कालीन प्रमुख शासन सचिव हेमन्त कुमार गेरा ने 26 नवंबर-2021 को पातेय वेतन, कार्य व्यवस्था के आधार पर नियमित वेतन शृंखला में पदोन्नति-पदस्थापन नहीं करने के संदर्भ में आदेश जारी किया था। आदेश में स्पष्ट किया था कि कार्यव्यवस्था आधार (पातेय वेतन) पर उच्च पद पर किसी भी कर्मचारी को पदस्थापित नहीं किया जाए। इसके तहत कर्मचारी स्वयं के निचले पद का वेतन प्राप्त करते हुए अन्य उच्च पद पर पदस्थापित किया जाता है। न्यायालय की ओर से समय-समय पर ऐसी नियुक्तियों पर नाराजगी व्यक्त की गई है। इसे सार्वजनिक नियोजन के लिए अनुचित माना गया है। कार्मिक विभाग ने इसकी कठोरता से पालना के लिए पाबंद किया है।

डॉ. मोहम्मद सलीम, प्राचार्य एसपी मेडिकल कॉलेज का कहना है कि पदोन्नति सरकार ही करती है। इसमें स्थानीय कॉलेज प्रशासन की कोई भूमिका नहीं होती है। एसपी मेडिकल कॉलेज के अधीनस्थ करीब 65 कार्मिक पातेय वेतन पर पदोन्नत हैं और कार्य व्यवस्था के तहत पद पर काम कर रहे हैं।

# दो बाइकों की भिड़ंत में तीन जनों की मौत

**डिग्गी,** (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के प्रतापपुरा के पास बीती रात दो बाइकों की आपसी भिड़ंत में तीन बाइक सवारों की मौत हो गई। इनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीसरे ने जयपुर में उपचार के दौरान दम तौड़ दिया। दो मृतक रिश्ते में फुफेरे भाई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी मालपुरा राकेश कुमार बैरवा ने घटनास्थल व डिग्गी अस्पताल पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी ली। वहीं डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी ने रविवार सुबह डिग्गी अस्पताल पहुंचकर डिग्गी अस्पताल में रखे दोनों शवों का पोर्स्टमाटम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की कार्यवाही शुरू की। डिग्गी थानाधिकारी ने बताया कि शनिवार रात को 9 बजे सूचना मिली कि प्रतापपुरा के पास भीलवाड़ा जयपुर स्टेट हाइवे पर दो बाइकों की आपसी भिड़त हो गई। उसके बाद तुरंत प्रभाव से डिग्गी थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जहां लहूलुहान हालत में रोड पर पड़े तीनों बाइक सवारों को अस्पताल लेकर आई। डिग्गी अस्पताल में डिग्गी थाना क्षेत्र के डेचवास निवासी प्रधान जाट व टोंडारायसिंह थाना निवासी मोर कुकड कमल माली को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं भंवर लाल जाट को चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर कर दिया। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार मृतक कमल माली जयपुर से अपनी बाइक पर अकेला गांव आ रहा था। इसी दौरान सामने से अपने गांव डेचवास जा रहे प्रधान व रिश्ते में फुफेरे भाई लगने वाले भंवर लाल जाट की बाइक से भिड़ंत हो गई। इसमें प्रधान और कमल माली की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं भंवर लाल जाट की जयपुर पहुंचने के बाद मौत हो गई। मृतक कमल माली जयपुर में रहकर मोटर वाइंडिंग का काम करता था। कमल माली परिवार से मिलने अपने गांव मोर जा रहा था। वही मृतक प्रधान जाट अपने गांव में खेती-बाड़ी का काम करता था। वहीं भंवर लाल जाट भी अपने ही गांव मे खेती बाडी का काम करता था।

भिड़ंत के बाद बिखरे पड़े मोटरसाइकिलों के अवशेष।

# पति ने दिया तीन तलाक तो पत्नी ने किया सुसाइड

**अलवर,** (निसं)। पति ने पत्नी को तीन बार तलाक कहा और घर से निकाल दिया। परेशान होकर महिला ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। मामला शनिवार शाम का अलवर जिले के भिवाड़ी का है। भोंकर गांव निवासी मनीषा (20) की शादी 14 मार्च 2021 को नूंह के सिकरावा गांव निवासी इम्तियाज (23) के साथ हुई थी। चाचा जाहूल खां ने बताया कि मनीषा 6 महीने की थी जब उसके पिता का निधन हो गया, 3 साल की हुई तो मां गुजर गई। तब से मनीषा को पाला। शादी में बुलेट बाइक दी, 1 लाख 61 हजार रुपए कैश दिए थे। फिर भी पति, सास, ससुर मनीषा को दहेज के लिए परेशान करने लगे। मनीषा पर उसका ससुर आसिफ बुरी नजर भी रखता था। वह कई बार उसका हाथ पकड़ चुका था, मनीषा ने इसे लेकर भी शिकायत की थी। पति से कहा तो वह गुस्सा हो गया। पिता के कहने पर ही इम्तियाज ने अपनी पत्नी मनीषा को तीन बार तलाक कहा और घर से निकाल दिया।

मनीषा ने 11 मई 2022 को भिवाड़ी थाने में पति,सास व ससुर के खिलाफ दहेज प्रताडना व तलाक का मामला दर्ज कराया था। दो महीने से मनीषा अपने चाचा के घर रह रही थी। मनीषा की दादी उसके ससुराल नूंह गई थी। ससुराल वालों को समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कहा कि तीन तलाक हो गया, अब वे उसे नहीं रखेंगे। शादी में दिया गया सामान वापस ले जाओ। जाहूल ने कहा कि शिकायत करने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, इससे मनीषा डिप्रेशन में थी। शनिवार शाम को उसने जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इम्तियाज नूंह में मेडिकल शॉप पर काम करता है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। तीन तलाक पर 2019 में कानून बन चुका है। तीन बार बोलकर पत्नी को तलाक नहीं किया जा सका।

- **मृतका के चाचा ने दहेज के लिए परेशान करने का भी आरोप लगाया**
- **मृतका ने पूर्व में पति, सास व ससुर के खिलाफ मामला दर्ज कराया था**

# जैसलमेर में पर्यटन सीजन का जुलाई से होगा आगाज

**जैसलमेर,** (निसं)। जैसलमेर में अगले माह जुलाई से पर्यटन सीजन का आगाज होने जा रहा है। टूरिस्ट सीजन के लिए पर्यटन नगरी को सजाने संवारने की कवायद शुरू हो चुकी है।

इस बार पर्यटन सीजन में सैलानियों की अच्छी संख्या की उम्मीद में होटल और रिसोर्ट मालिकों ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। होटल, रिसोर्ट और रेस्तरां सभी में रेनोवेशन का काम शुरू हो गया है लगातार 2 साल से कोरोना की मार झेल चुके पर्यटन से जुड़े लोगों में इस बार अच्छे टूरिस्ट सीजन की उम्मीद है। इसी उम्मीद के चलते वे अपनी-अपनी लोकेशन को और ज्यादा बेहतर बनाने और सैलानियों का ध्यान अपनी तरफ खींचने की पूरी तैयारियों में जुट गए हैं। इस बार कोरोना नहीं होने से सैलानियों की अच्छी एडवांस बुकिंग भी होटल्स में हो रही है।

जैसलमेर में होटल मालिक मानते हैं कि कोरोना काल की दुखद यादें भूल कर हम सब इस साल अच्छे सीजन की आस में हैं और उम्मीद है कि इस बार सीजन अच्छा जाएगा। वे बताते हैं कि कोरोना काल में 2 साल विदेशी सैलानी जैसलमेर नहीं आए जिससे हमें बहुत ज्यादा नुकसान हुआ लेकिन इस बार लगता है विदेशी सैलानी अच्छी खासी तादाद में जैसलमेर आएंगे।

# पूर्व मंत्री के बेटे के खिलाफ लूट व मारपीट का मामला दर्ज

**अलवर,** (निसं)। भाजपा सरकार में मंत्री रहे हेम सिंह भडाना के बेटे सुरेंद्र भडाना के खिलाफ घर में घुसकर लूट व मारपीट का मामला दर्ज हुआ है। पूर्व मंत्री के बेटे का घर की दीवार कूदने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। हालांकि मंत्री के बेटे ने भी क्रॉस मुकदमा दर्ज करा दिया है, मामला अलवर का है।

परिवादी बुध विहार ए-49 निवासी निहाल सिंह ने मामला दर्ज कराया कि रात करीब साढे 11 बजे सुरेंद्र सिंह 6-7 लोगों के साथ आया। घर की दीवार कूद कर अंदर घुसा। उसके साथ मारपीट की और 1 लाख रुपए-सोने की चेन लूट ले गए। किसी को बताने पर जाने से मारने की धमकी दी। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। निहाल सिंह ने पुलिस को मंत्री के बेटे के रात को घर में दीवार कूदकर घर में घुसने का वीडियो भी बतौर सबूत दिया है।

रविवार रात को ही पूर्व मंत्री के बड़े बेटे धीरेंद्र ने शिवाजी पार्क पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है कि निहाल सिंह रिश्ते में ताऊ का लड़का है। उसने 24 जून की रात को मेरे भाई सुरेंद्र सिंह को खुद के घर पर बुलाया। कहा गेट पर तेरी भाभी ने ताला लगा दिया है। दीवार कूद कर आ जा। सुरेंद्र अंदर गया तो तीन-चार लोग शराब पी रहे थे। उसके पहुंचते ही सुरेंद्र से मारपीट करने लगे। बड़ी मुश्किल से सुरेंद्र वहां से बचकर भागा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि पूर्व मंत्री का कहना है कि यह उनके परिवार का मामला है। शिवाजी पार्क पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों ने रिपोर्ट दी है। सबूतों के आधार पर जांच कर रहे हैं। अभी इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। जल्द जांच कर आवश्यक एक्शन लिया जाएगा।

- **मंत्री के बेटे ने भी क्रॉस मुकदमा दर्ज कराया**
- **मंत्री के बेटे ने घर में घुसकर पीड़ित से की थी मारपीट**

# अधिकारियों की लापरवाही एवं मिलीभगत के कारण भूमाफियाओं की भेंट चढ़ गई बेशकीमती जमीन

## जैसलमेर शहर में जमीन पर लगा भूमाफियाओं का ग्रहण, हुआ फर्जी बेचान

**जैसलमेर,** (निसं)। जैसलमेर शहर के एसबीआई बैंक के सामने मुख्य सड़क से उत्तर की तरफ ढिब्बा पाड़ा खसरा नंबर 193 स्थित बुर्ज के पास नगर परिषद के कार्यालय से मात्र दो सौ मीटर दूर स्थित नगरपरिषद की बेशकीमती दो हजार वर्गफीट जमीन आखिरकार अधिकारियों की लापरवाही एवं मिलीभगत के कारण भूमाफियाओं की भेंट चढ़ गई तथा भू माफियाओं ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपनी बताते हुए इस सरकारी भूमि का बेचान भी कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एयरफोर्स के पंप हाउस के पास लगती भूमि सालों से खाली पड़ी थी। इस पर भूमाफियाओं की नजर पड़ गई और केहर फ़क़ीर की ढाणी देवीकोट निवासी एक परिवार ने पुश्तैनी जमीन बताकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 11 मई को अपने ही परिवार की सदस्या के नाम मुखत्यार आम तैयार करवा दिया। 18 मई को महिला ने उक्त जमीन को एक और भूमाफिया को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बेच दिया। ज्ञात जानकारी के अनुसार यह भूखंड जिस अजीज खान पुत्र सोढ़ेखान के नाम से बताया गया उनकी मृत्यु 1998 में हो चुकी है। यदि यह भूखंड उनके नाम था तो फिर 24 साल तक उसके वारिसान द्वारा इस भूखंड का नामांतरकरण क्यों नहीं करवाया गया और तो और नगरपरिषद में इस भूखंड की और इस नाम की कोई पत्रावली ही नहीं है।

जैसलमेर शहर में बेशकीमती जमीन का फर्जी बेचान करने का मामला सामने आया।

जानकारी में आया है कि उक्त भूखंड के पास स्थित भूखंड के मालिक भगवानाराम ने वर्ष 2013-14 में इस भूखंड को खांचा भूमि के रूप में उसे आवंटित करने का भी आवेदन किया था। इस पर 7 मई 2014 को तत्कालीन नगरपरिषद अधिकारियों ने इस भूखंड को पूर्ण मानकर नोटशीट में इस भूखंड को स्वतंत्र बनाकर नीलामी करने की टिप्पणी की थी। इस खरीददार ने उक्त भूखंड खरीदा है उसी के भाई ने भी यही भूखंड प्राप्त करने के लिए खांचा भूमि का आवेदन किया था। यदि यह भूखंड नीलाम होता तो नगरपरिषद को करोड़ों रुपये की आय हो सकती थी। मगर अधिकारियों की लापरवाही ओर भूमाफियाओं से मिलीभगत ने इस भूखण्ड पर भूमाफियाओं को कब्जा करने और बेचने की मौन स्वीकृति दे दी। उक्त बेचान नामे में जैसलमेर पंजीयन कार्यालय के उप पंजीयक एवं जैसलमेर के कार्यवाहक तहसीलदार की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है क्योंकि उनके द्वारा भूखंड के टाइटल संबंधी बिना किसी वैध दस्तावेज के ही बेचान नामा स्वीकृत कर दिया जो कि संदेहास्पद है।

- **इस बेचान नामे में जैसलमेर पंजीयन कार्यालय के उप पंजीयक एवं जैसलमेर के कार्यवाहक तहसीलदार की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है**

उप पंजीयक महेंद्र खत्री ने बताया कि टाइटल संबंधित कार्य नगरपरिषद का है। हमने रजिस्ट्री में इससे संबंधित नोट डाल दिया है। यदि बेचने वालों ने फर्जी बेचान किया है तो ये उनकी जिम्मेदारी है तथा बेचने और खरीदने वालों पर कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए।

# सब्जी बेचने वाले से सौ-सौ रुपए के आठ नकली नोट बरामद किए

**अलवर,** (निसं)। एनईबी थाना पुलिस ने अग्रसेन सर्किल सब्जी मंडी परिसर में नकली नोट चलाने की फिराक में घूम रहे 57 वर्षीय सुरेश शर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 100 -100 रुपए के 8 नकली नोट बरामद किए हैं।

थानाधिकारी राजेश वर्मा ने बताया कि सूचना मिली कि एक व्यक्ति नकली नोट चलाने की फिराक में घूम रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी सुरेश पुत्र कुंदन लाल शर्मा निवासी मोती नगर काली मोरी फाटक को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 100-100 रुपए के 8 नकली नोट बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने उक्त नोट एक व्यक्ति से आधी कीमत में खरीदे थे। आरोपी ने बताया कि वह हथठेला पर फेरी लगाकर सब्जी बेचता है।

# चार संक्रमित मिले

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिले में कोरोना संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को एक महिला सहित चार और लोग पॉजिटिव आए हैं। आरटी पीसीआर प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया की रविवार को सुवाणा की 47 वर्षीय महिला के साथ ही सांगानेरी गेट का 65 वर्षीय बुजुर्ग, कोटड़ी का 26 वर्षीय युवक, हुरड़ा का 32 वर्षीय युवक कोरोना पॉजिटिव आये हैं। खास बात यह कि इन चारों ने वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज लगाई हुई है।

# अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

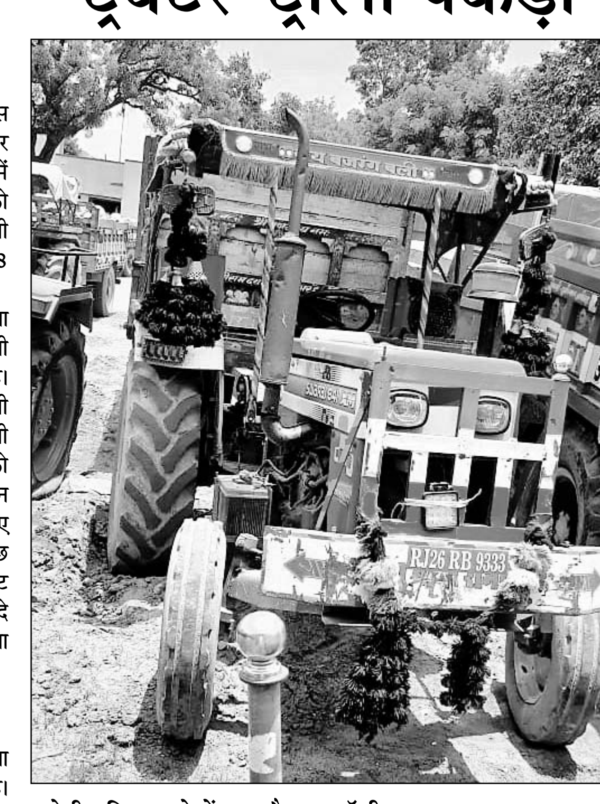


बरोनी पुलिस थाने में जप्त ट्रैक्टर-ट्रॉली।

**निवाई,** (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

बरोनी थानाधिकारी हरिराम ने बताया कि रविवार को मुखबीर से सूचना मिली कि गांव खोडा का खेडा में अवैध बजरी भरकर ट्रैक्टर आ रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो अवैध बजरी भरकर एक ट्रैक्टर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने अवैध बजरी भरी होने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाने लाकर खड़ा करवा दिया। पुलिस ने एमएम आरडी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।